हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, मंगलवार, 22 जुलाई 2025

11 स्कूल में पुलिस ने विद्यार्थियों को बताए यातायात के नियम

12 मांडोठी के सुमित ने हंगरी में जीता सिल्वर मेडल

खबर संक्षेप

बहादुरगढ़। सैन धर्मशाला कमेटी के पदाधिकारियों के साथ चेयरपर्सन सरोज राठी।

सैन धर्मशाला में लगाया कांवड़ सेवा शिविर

बहादुरगढ़। पुराने बस स्टैंड के नजदीक स्थित सैन धर्मशाला में शिव भक्त कांवड़ियों की सेवा के लिए कांवड़ शिविर लगाया गया है। इसका शुभारंभ सोमवार को नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी ने किया। धर्मशाला कमेटी के पदाधिकारियों ने पटका पहनाकर उनका सम्मान किया। सरोज राठी ने कहा कि सैन धर्मशाला में पिछले कई वर्षों से शिव भक्तों की सेवा के लिए कांवड़ शिविर लगाया जाता है। इस अवसर पर प्रधान चरण सिंह, उपप्रधान हरिकिशन, सचिव नारायण, कोषाध्यक्ष बिशन, रमेश राठी, पार्षद राजबाला, पवन रोहिल्ला व उमेद सैन आदि मौजूद रहे।

दुष्कर्म मामले में पकड़ने के लिए एसआईटी गठित

झज्जर। क्षेत्र के गांव में एक नाबालिग से बलात्कार करने मामले में आरोपियों को पकड़ने के लिए जिला पुलिस द्वारा एसआईटी का गठन किया गया है। जिसमें एसीपी, महिला थाना प्रभारी, संबंधित थाना प्रभारी, एक सब इंस्पेक्टर और एक महिला सब इंस्पेक्टर शामिल है। पुलिस के स्तर पर मामले की गहनता से जांच की जा रही है और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

नरेश जून ने दी रोहित को बधाई

बहादुरगढ़। वरिष्ठ कांग्रेस नेता नरेश जून ने गोल्ड मेडल जीतकर लौटे गांव सिद्दीपुर लोवा निवासी रोहित मान को सम्मानित करते हुए बधाई दी। उन्होंने बताया कि रोहित मान ने किर्गिस्तान में हुई अंडर 15 एशियाई चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर बहादुरगढ़ का नाम पूरे विश्व में रोशन किया है। उन्होंने रोहित मान को भविष्य में भी इसी तरह मेडल जीतने का आशीर्वाद दिया।

सट्टा खाईवाली करते एक गिरफ्तार

बहादुरगढ़। सरेआम सार्वजनिक स्थान पर सट्टा खाईवाली करते हुए पुलिस ने एक आरोपी को काबू किया। सिटी एसएचओ दिनकर यादव ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर दिल्ली निवासी विष्णु को काबू किया और मौके पर तलाशी ली तो उसके कब्जे से 810 रुपए नगद और सट्टा पर्ची बरामद हुई। उसके खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है।

श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर किया जलाभिषेक

झज्जर। सावन के दूसरे सोमवार पर शहर के शिवालयों और मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। उन्होंने भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना करते हुए शिवलिंग पर जलाभिषेक किया। करीब दोपहर तक मंदिरों में बम बम भोले के जयघोष गूंजते रहे। श्रद्धालुओं द्वारा पूजा-अर्चना के दौरान शिवलिंग पर दूध, जल, बेलपत्र, फूल व फल आदि चढ़ा कर मन्नत मांगी। पंडित गुलशन शर्मा ने बताया कि श्रावण मास में भगवान शिव की पूजा का विशेष महत्व है। सृष्टि की रक्षा करने के लिए भगवान शिव ने विष ग्रहण कर लिया था। जिसका प्रभाव कम करने के लिए देवताओं द्वारा उन पर जल अर्पित किया गया था।

नगर परिषद की कार्यशैली सवालों के घेरे में

सोशल मीडिया पर लीक हुए दस्तावेज, मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना में घालमेल का अंदेशा

- जिन लोगों के प्लॉट निकले हैं, उसमें नगर पार्षदों के परिजनों के नाम भी शामिल हैं, ऐसे दो मामले सामने आए हैं
- नप ईओ देवेंद्र सिंह का कहना है कि इस योजना का मामला संज्ञान में ही नहीं

योजना के नगर परिषद प्रभारी बोले, मेरे पास अलमारी ही नहीं, फाइलें टेबल पर ही रखी रहती हैं, कौन ले गया कागजात पता नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

नगर परिषद झज्जर एक बार फिर सुर्खियों में है। पिछले एक पखवाड़े पूर्व शहर के शहीदी पार्क से हरे भरे पेड़ काटने का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि एक बार फिर दो नए मामले सामने आ गए हैं। जिसकी पूरे शहर में चर्चा हो रही है और नगर परिषद की कार्यशैली पर भी सवालिया निशान लग रहे हैं। इस बार मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना में बड़ा घालमेल का अंदेशा है। इस योजना के तहत जिन लोगों के प्लॉट निकले हैं, उसमें नगर पार्षदों के परिजनों के नाम भी शामिल हैं। पार्षद के परिजनों के दो मामले सामने आए हैं। ऐसे में योजना और संबंधित अधिकारियों की कार्यशैली पर भी सवाल उठने लगे हैं कि पहले अभ्यर्थी द्वारा दिए जा रहे दस्तावेजों की जांच क्यों नहीं की गई। वहीं नप ईओ देवेंद्र सिंह ने कहा कि इस योजना का मामला संज्ञान में ही नहीं है।

मामला हाई प्रोफाइल होने के बाद इस बात की भी चर्चा होने लगी है कि जिस तरह से संबंधित योजना के दस्तावेज कार्यालय से लीक हुए है। ऐसे में सरकारी दस्तावेज भी सुरक्षित नहीं है। जहां नप प्रशासन आरटीआई लगाने के बाद भी दस्तावेज उपलब्ध करवाने में देरी करता है। ऐसे में ये दस्तावेज कैसे सोशल मीडिया पर वायरल हुए। इस संबंध में मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के नगर परिषद प्रभारी अरूण कुमार सागू से बात की गई तो उनका जवाब भी अजीब था। उन्होंने कहा कि उनके पास अलमारी नहीं है। सभी फाइलें टेबल पर ही रखी रहती हैं, ऐसे में कौन कब दस्तावेज ले गया, इस बारे में उन्हें कुछ पता नहीं है। हां, इतना जरूर है कि उन्होंने अलमारी देने के लिए विभाग को जरूर कह रखा है।

शहर में 851 लोगों के निकले थे प्लॉट

बता दें कि मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत शहर के सेक्टर छह और नौ में पात्र अभ्यर्थियों के प्लॉट निकले थे। फिलवक्त इन प्लॉटों की निशानदेही का कार्य चल रहा है। मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के नगर परिषद प्रभारी अरूण कुमार सागू ने कहा कि जिन लोगों ने पहले लाभ ले रखे हैं, उनके नाम होल्ड पर रखें गए हैं। विभागीय निर्देशानुसार इनके खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी।

सीवर व्यवस्था को लेकर एक्सईएन से मिले पार्षद

बहादुरगढ़। सीवर व्यवस्था को लेकर एक्सईएन से चर्चा करते पार्षद।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

सोमवार को शहर के कई पार्षद खस्ताहाल सीवर व्यवस्था को लेकर जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता से मिले। उन्होंने शहर में सीवर की बढ़ती समस्या पर चिंता व्यक्त करते हुए समाधान की मांग की।

पार्षद संदीप दहिया, बिजेंद्र दलाल, विनोद जांगड़ा, सत्यप्रकाश छिकारा, विशाल गर्ग, प्रवीण सोनू, योगेश धनखड़ व संजीव मलिक आदि ने बताया कि शहर में अधिकांश सीवर लाइनें ब्लॉक होने के कारण ओवरफ्लो हो रही हैं। जिससे गंदा पानी गलियों में भर रहा है या घरों में बैक मार रहा है और लोगों को परेशानी हो रही है। उनका कहना है कि यह समस्या पिछले कई महीनों से चली आ रही है और इस पर तुरंत ध्यान देने की आवश्यकता है। एक्सईएन से मिलने के बाद पार्षदों ने कहा कि यदि जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो वे आंदोलन करने को मजबूर हो जाएंगे।

स्ट्रीट लाइट खराब, कई खंभों पर है ही नहीं शाम होते ही कच्चा बेरी रोड पर अंधेरे का राज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शहर के बेरी गेट स्थित वार्ड नंबर एक में स्ट्रीट लाइट व्यवस्था सुचारू न होने के कारण वार्ड वासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वार्ड की प्रिया कालोनी, लालचंद कालोनी, शिव कालोनी, कंवर सिंह कालोनी, ऋषि कालोनी, राम नगर व कच्चा बेरी रोड से नया बस स्टैंड जाने वाला मार्ग शाम होते ही अंधेरे में डूब जाता है।

मार्ग पर अंधेरा होने के कारण राहगीरों को भी परेशानी आती है। कॉलोनीवासियों का कहना है कि इस मार्ग पर मंदिर व गोशाला स्थित है। ऐसे में शाम के समय अंधेरा होने के चलते श्रद्धालु जहां मंदिर नहीं जा पाते वहीं गिरने का भय भी बना रहता है। इस संबंध में वे पार्षद व नगर परिषद अधिकारियों को अवगत करा चुके हैं लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। इस संबंध में जब पार्षद प्रतिनिधि महावीर गुर्जर से बात की गई तो उन्होंने बताया कि नगर परिषद द्वारा किसी एजेंसी को स्ट्रीट लाइट का ठेका दे रखा है। एजेंसी के कर्मचारी सही ढंग से कार्य नहीं कर रहे। वे स्वयं भी वार्ड में बंद पड़ी लाइटों की समस्या को संबंधित लाइट इंस्पेक्टर व कर्मचारियों को बता चुके हैं, लेकिन कुछ समाधान नहीं हुआ। उनके वार्ड में कई खंभों से लाइटें भी गायब हैं।

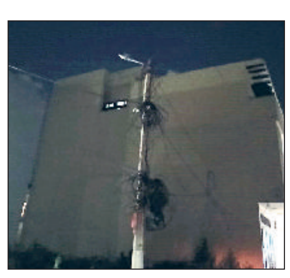

कच्चा बेरी रोड पर बंद पड़ी लाइटें।

बिना अनुमति चल रही चार फैक्ट्रियों को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने दिए नोटिस, जवाब नहीं दिया तो सील की जाएंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर के नेताजी नगर इलाके में अवैध रूप से चल रही 4 फैक्ट्रियों को हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से शोकॉज नोटिस जारी किया गया है। इसके साथ ही इन फैक्ट्रियों की विद्युत आपूर्ति काटने के साथ ही सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि शहर के अनियमित क्षेत्र में पहले भी बिना अनुमति के चल रही फैक्ट्रियों पकड़ी जा चुकी हैं। अब फिर से एचएसपीसीबी ने ऐसी 4 फैक्ट्रियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

बहादुरगढ़। निरीक्षण करते विशेष पर्यावरण निगरानी टास्क फोर्स के सदस्य।

अगर नोटिस का संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी। झज्जर जिले की ओर से पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए बनाई गई विशेष पर्यावरण निगरानी टास्क फोर्स में शामिल एसीपी प्रदीप कुमार, एचएसपीसीबी के एईई अमित कुमार, जेईई सोनू, पालिका अभियंता जोगेंद्र सिंधु, एसडीओ नवीन कुमार व एएफएम भूपेंद्र आदि की टीम ने बिना अनुमति के चल रही इन फैक्ट्रियों का निरीक्षण किया। बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी शैलेंद्र अरोड़ा के अनुसार ये चारों फैक्ट्रियों बिना कंसेंट टू एस्टैब्लिश (सीटीई) और कंसेंट टू ऑपरेट (सीटीओ) के ही स्थापित और संचालित हो रही थी। यहां ईटीपी भी नहीं था। उन्होंने बताया कि संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो चारों फैक्ट्रियों को सील कर दिया जाएगा।

ग्रामीणों ने पैसे एकत्र कर बनवाया स्टेडियम में ट्रैक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गांव नूना माजरा स्थित शहीद राजेश जून खेल स्टेडियम में जनसहयोग से रेसिंग-वॉकिंग ट्रेक का निर्माण करवाया गया। इसमें 34 लोगों ने आर्थिक सहयोग किया था। देव-ओम ग्रुप के मनोज राठी ने सबसे अधिक 2 लाख रुपए का सहयोग दिया था। विधायक राजेश जून ने ग्रामीणों के साथ स्टेडियम में इस ट्रेक का उद्घाटन किया और विधायक कोटे से ट्रेक पर 6 लाख का अन्य काम कराने की घोषणा की। बता दें कि गांव नूना माजरा के शहीद राजेश जून खेल स्टेडियम में ग्राम वासियों द्वारा बिना किसी सरकारी सहायता के ट्रेक का निर्माण किया गया। इस ट्रेक के निर्माण में मनोज राठी व नवीन राठी ने 2 लाख रुपए, जगजीत सिंह ने एक लाख, मास्टर अमर सिंह, कैप्टर रामेहर जून व नीरज रुहिल ने 51-51 हजार, मंगत राम व हनुमत सिंह ने 31-31 हजार, मास्टर सतपाल ने 28 हजार, मांगेराम जून ने 22 हजार, सरपंच मास्टर जयभगवान, सूबेदार मदन तंवर, राजकुमार, जगबीर, अशोक, कुलदीप सिंह, रामनिवास, सतबीर, सुरेश व रघुबीर सिंह ने 21-21 हजार रुपये का सहयोग किया। कर्मबीर सिंह, अमित व दिनेश ने 14-14 हजार, कुलदीप, नरेश व सुनील ने 7-7 हजार, प्रधान, शमशेर, दीपक, हरी सिंह, पवन, रामफल, मदन व छोटेलाल मिस्त्री ने 51-51 सौ रुपये का योगदान किया। विधायक राजेश जून ने भी ट्रेक पर विधायक कोटे से 6 लाख रुपये से अन्य काम कराने की घोषणा की। उन्होंने बच्चों व युवाओं से स्टेडियम में आकर सैर व कसरत करने के साथ ही खेलों से जुड़ने का आह्वान किया।

बहादुरगढ़। ट्रेक का उद्घाटन करते राजेश जून व मनोज राठी आदि।

सिलोठी में स्मारक व लाइब्रेरी बनाएगा दलाल वंश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

युवाओं को शिक्षित करने और अपने इतिहास से परिचित करवाने के लिए दलाल गोत्र एक अच्छी पहल करने जा रहा है। बहादुरगढ़ के गांव सिलोठी में दो एकड़ जमीन पर दलाल परिवार एक स्मारक और लाइब्रेरी का निर्माण करवाएगा। यहां लोगों को एक पार्क की सुविधा भी दी जाएगी।

दलाल खाप के प्रवक्ता कैप्टन मान सिंह दलाल ने बताया कि अगले महीने सिलोठी गांव में एक भव्य आयोजन होगा। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करने के लिए देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से दलाल खाप के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भी कार्यक्रम में आने के लिए मौखिक सहमति प्रदान कर दी है।

कैप्टन मान सिंह दलाल के अनुसार देश के उत्थान और सामाजिक भाईचारे को मजबूती प्रदान करने के लिए खापों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसीलिए दलाल वंश अपने इतिहास से परिचित कराने के लिए एक स्मारक का निर्माण करेगा। गांव में ही एक लाइब्रेरी का निर्माण भी करवाया जाएगा। ताकि गांव के युवाओं को सेल्फ स्टडी करने के लिए शहर ना भागना पड़े।

बहादुरगढ़। स्मारक व लाइब्रेरी को लेकर जानकारी देते कैप्टन मान सिंह दलाल।

सीईटी को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज

14 केंद्रों पर 4 हजार 128 अभ्यर्थी देंगे परीक्षा सरकार ने सीईटी ट्रैवल मोबाइल ऐप लॉन्च किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

सीईटी परीक्षा को लेकर प्रशासनिक स्तर पर जोरों से तैयारियां की जा रही है। परीक्षार्थियों को किसी तरह की परेशानी ना हो, इसके लिए भी पूरे इंतजाम करने के लिए विभिन्न विभागों की ड्यूटियां लगाई गई है। जिला मुख्यालय पर 14 परीक्षा केंद्र बनाए गए है, जिसमें कुल 4128 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। उधर, परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए सरकार ने सीईटी ट्रैवल नाम से मोबाइल ऐप भी लॉंच किया है और झज्जर, बहादुरगढ़ व बेरी बस स्टैंड पर हेल्प डेस्क भी स्थापित किए गए है।

बता दें कि इससे पहले सीईटी परीक्षा को लेकर जिले भर में 39 परीक्षा केंद्र प्रस्तावित थे। जिसमें 11 हजार 520 परीक्षार्थी परीक्षा देने की बात कही गई थी। बाद में जिला मुख्यालय पर ही परीक्षा केंद्र बनाए जाने के आदेश जारी किए गए। जिसके कारण जिला मुख्यालय पर केवल 14 परीक्षा केंद्र ही बनाए गए। तैयारियां जोरों पर चल रही हैं।

ऐप की मदद से यात्रा का समय और सीट बुक कर सकते हैं

हरियाणा सरकार ने सीईटी -2025 परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा दी है। इसके लिए सीईटी ट्रैवल नाम का मोबाइल ऐप लॉन्च किया गया है। छात्र इस ऐप की मदद से अपने यात्रा का समय और सीट पहले से बुक कर सकते हैं, ताकि परीक्षा के दिन उन्हें कोई परेशानी न हो। डीसी स्वप्लिन रवींद्र पाटिल ने बताया कि इस ऐप के जरिए छात्रों को फ्री, सुरक्षित और तनाव मुक्त यात्रा की सुविधा दी जा रही है। इस सुविधा के साथ ही झज्जर जिला में झज्जर, बहादुरगढ़ और बेरी के बस स्टैंड परिसरों में परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क भी स्थापित किए गए हैं, जहां परीक्षार्थियों को मार्गदर्शन और सहायता प्रदान की जा रही है।

मदद के लिए इन नंबरों पर करें संपर्क

प्रशासन ने परीक्षार्थियों के लिए कंट्रोल रूम बनाया है। किसी को भी मदद की जरूरत हो तो कंट्रोल रूम के नंबर भी पर फोन किर सकते हैं। ये हैं नंबर - 01251 - 253117 ,01251- 253118, हेल्प लाइन नंबर रोडवेज झज्जर 94671 64214, हेल्प लाइन नंबर रोडवेज बहादुरगढ़ 9467154209

कहां, कितने अभ्यर्थी

महाराजा अग्रसेन महिला महाविद्यालय में 360, दीप चंद वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गुढ़ा ब्लॉक ए में 360, गंगा इंटरनेशनल स्कूल कबलाना में 240, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय झज्जर ब्लॉक ए में 360, राजकीय बहुतकीनी संस्थान में 288, एच आर ग्रीन फील्ड वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 360, इंडो अमेरिकन स्कूल में 360, कुलदीप सिंह मैमोरियल पब्लिक स्कूल में 264, एल ए वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 360, न्यूटन हाई स्कूल में 240, राजकीय स्नातकोतर नेहरू महाविद्यालय ब्लॉक ए में 240, आरईडी स्कूल ब्लॉक ए में 228, आरईडी स्कूल ब्लॉक बी में 228 और शहीद रमेश कुमार राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल में 240 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे।

एडीसी ने समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनीं, समाधान के निर्देश

झज्जर। समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनते हुए एडीसी जगनिवास।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

- शिविर में भूमि संबंधी विवाद, पेंशन में देरी, जैसी कुल 14 शिकायतें दर्ज की गई

सोमवार को लघु सचिवालय में जिला स्तरीय समाधान शिविर का आयोजन किया गया। एडीसी जगनिवास ने शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। समाधान शिविर के दौरान कुल 14 शिकायतें दर्ज की गई, जिनमें भूमि संबंधी विवाद, पेंशन में देरी, पारिवारिक पहचान पत्र सुधार, अतिक्रमण, पानी व बिजली की समस्याएं प्रमुख रहीं। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए और हर स्तर पर पारदर्शिता व संवेदनशीलता बरती जाए।

हरियाली तीज स्त्रीत्व का उत्सव

सावन के महीने में मनाए जाने वाले हरियाली तीज पर्व का धार्मिक-सांस्कृतिक महत्व तो है ही, इसे स्त्रीत्व का उत्सव भी माना जाता है। इससे जुड़े रीति-रिवाजों और परंपराओं में परिवार और रिश्तों की मंगलकामनाएं भी निहित होती हैं। इसीलिए आज के दौर में भी इस पर्व की प्रासंगिकता कम नहीं हुई है।

पर्व
यशोधरा भटनागर

हरियाली तीज आते ही बीती यादें आंखों के सामने नाचने लगती हैं। कितने दिन पहले से मां तीज की तैयारी में लग जाती थीं। मनिहारिन काकी चूड़ी, टिकुली, मेहंदी, महावर का टोकरा सिर पर रखे आंगन में जम जातीं। दादी, चाची, हम सब उनके आस-पास बैठ जाते। हमारी आंखें काकी के टोकरे को स्कैन कर लेने में कोई कसर नहीं छोड़तीं। सावन के सेहरों संग उत्सव के हरे, लाल, पीले खुशियों के रंग चारों ओर बिखर जाते। दादी बताती थीं कि सावन का महीना शिव पूजा का पवित्र माह है। शिव जी के प्रिय श्रावण मास में सबसे ज्यादा वर्षा होती है। अधिक वर्षा शिवजी के विष से गर्म शरीर को ठंडक प्रदान करती है। भारतीय लोकजीवन में सावन प्रेम, सौंदर्य और श्रद्धा का माह है। इस माह में आया हरियाली तीज का पर्व, भारतीय स्त्री के जीवन, उसकी संवेदनाएं और उसके संकल्पों का सुंदर भावनात्मक प्रस्तुतिकरण है।

तीज का मूलार्थ और स्वरूप

'तीज' शब्द संस्कृत के 'तृतीया' से लिया गया है, जिसका अर्थ है हिंदू पंचांग की शुक्ल या कृष्ण पक्ष की तीसरी तिथि। सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया को 'श्रावण तीज' या 'हरियाली तीज' कहा जाता है। मुख्य रूप से यह पर्व उत्तर भारत में राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, हरियाणा आदि राज्यों में महिलाओं द्वारा श्रद्धा, प्रेम और उल्लास के साथ मनाया जाने वाला पर्व है। मान्यता है, देवी पार्वती ने शिव जी को पति के रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की थी। देवी पार्वती ने सावन में मृतिका से शिवलिंग का निर्माण करके भक्ति भाव से शिवजी का पूजन किया और तपस्या में लीन हो गईं। उनकी तपस्या से अंत में प्रसन्न होकर हरियाली तीज पर भगवान शिव प्रकट हुए, और देवी पार्वती को वरदान दिया कि तुम मेरी अर्धांगिनी बनोगी। इस प्रकार भोलेनाथ सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को विवाह के लिए तैयार हुए थे। इसीलिए हर साल हरियाली तीज के दिन कुंवारी लड़कियां मनचाहे वर के लिए और विवाहित स्त्रियां पति की लंबी आयु के लिए यह व्रत करती हैं।

तीज का सामाजिक-सांस्कृतिक और भावनात्मक पक्ष

सावन की तीज नारी जीवन के उस पहलू को सजीव करती है, जहां वह एक उपासिका, एक सृजनशील शक्ति और एक भावनात्मक केंद्र बन जाती है। विवाहित स्त्रियां अपने पति की दीर्घायु और सुखमय जीवन के लिए व्रत रखती हैं। यह उपवास केवल दैविक आस्था नहीं, बल्कि एक मानसिक और आत्मिक शक्ति का प्रदर्शन भी है। मायके और ससुराल के बीच भावनाओं का पुल बनती है तीज। विवाहित बेटियों को मायके बुलाया जाता है। गोटा लगी हरी-लाल लहरिया लहराती साड़ी में सजी बहू-बेटियों के हाथों में मेहंदी, कलाई में चूड़ियां, पांवों में महावर, बिछिए, पायल के स्वर पूरे माहौल को झंकृत करते आशीष देते हैं। गीतों, हंसी, झूलों और श्रृंगार से सजी यह बेला उन्हें अपने स्त्रीत्व का उत्सव मनाने का अवसर देती है। तीज जैसे पर्व भारतीय स्त्री को मानसिक और सामाजिक रूप से सशक्त करते हैं। सहेलियों, बहनों, पड़ोसियों के साथ त्योहार मनाने से आपसी संबंध मजबूत होते हैं।

व्रत, पूजा और अनुष्ठान

तीज के दिन महिलाएं सूर्योदय से पूर्व स्नान कर सुंदर-स्वच्छ वस्त्र धारण करती हैं। व्रत रखती हैं और दिनभर शिव-पार्वती की पूजा करती हैं। शिव-पार्वती की कथा से उन्हें प्रेम, समर्पण और आत्मबल का आदर्श मिलता है। सौभाग्यवती स्त्रियां सोलह श्रंगार, मेहंदी, चूड़ियां, बिंदिया, पायल, साड़ी आदि में सजकर देवी पार्वती की भांति स्वयं को नववधु के रूप में अलंकृत करती हैं। तीज के पारंपरिक लोकगीतों के साथ यह व्रत संपन्न होता है।

झूले, गीत और नारी की अभिव्यक्ति

सावन और तीज के गीत भारतीय स्त्रियों की भावनाओं, पीड़ा, प्रतीक्षा, प्रेम और सामाजिक स्थिति के स्वरों को पिरोते हैं। 'कजरियां', 'सावन के झूले', 'मायके बुलावे' जैसे गीत न केवल मनोरंजन के साधन हैं, बल्कि स्त्री के भीतर छिपे भावलोक की सुंदर झलक भी हैं।

आधुनिक संदर्भ में तीज

समय के साथ तीज का स्वरूप बदला है, पर इसका आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व आज भी उतना ही प्रासंगिक है। आज की नारी भी इस पर्व को केवल रीति नहीं, एक उत्सव के रूप में मनाती है, जहां वह अपने अस्तित्व, विश्वास और संबंधों को फिर से सजीव कर आनंदित होती है। सावन की तीज केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, यह भारतीय स्त्री के आंतरिक सौंदर्य, उसकी सहनशीलता, उसकी आस्था और उसके आत्मबल का प्रतीक है। यह पर्व उसे अपनी जड़ों से जोड़ता है, प्रकृति के साथ उसका संवाद कराता है। हरियाली तीज नारी का उत्सव है। उत्सव है भावों का, विश्वास का और उसकी अपनी पहचान का।

हाथों पर रचवाएं आकर्षक मेहंदी

हरियाली तीज पर आप ट्रेडिशनल ड्रेसअप, मेकअप और ज्वेलरी कैरी करने के साथ हाथों पर मेहंदी भी जरूर लगवाएंगी। हम आपको यहां बता रहे हैं कि किस तरह के मेहंदी डिजाइन इन दिनों ट्रेंड हैं, जिन्हें आप रचवा सकती हैं।

श्रंगार
निधि गोयल

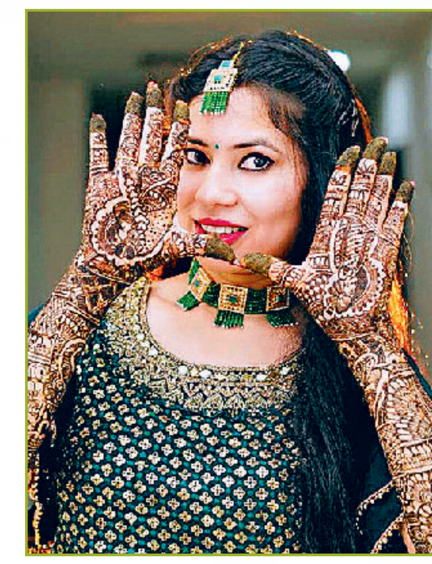

तीज का त्योहार विवाहित महिलाओं के लिए बहुत मायने रखता है। ऐसे में महिलाएं सोलह श्रंगार करती हैं। सोलह श्रंगार को पूरा करती है हाथों में रची प्यारी-प्यारी मेहंदी। यहां हम आपको बता रहे हैं कि किस तरह के मेहंदी के डिजाइन आप अपने हाथों में लगाकर इस तीज पर डिफरेंट नजर आ सकती हैं। इनमें से कुछ मेहंदी डिजाइंस पर एक नजर।

भरवा मेहंदी डिजाइन

तीज जैसे मौके पर भरे-भरे डिजाइन वाली मेहंदी पसंद की जाती हैं। इनके अलावा जालीदार, फूल पत्तियों के डिजाइन काफी पसंद किए जाते हैं। साथ ही इनमें फूलों के डिजाइन भी काफी सुंदर लगते हैं। जब आप इस तरह की मेहंदी लगवाती हैं, तो हाथों की खूबसूरती और बढ़ जाती है।

अरेबिक मेहंदी डिजाइंस

अरेबियन मेहंदी के डिजाइन अधिकतर महिलाओं को पसंद आते हैं। इनमें आजकल कई तरह के डिजाइन ट्रेंड में चल रहे हैं। इस डिजाइन से आपके हाथों को बेहद सुंदर लुक मिलता है। अरेबिक मेहंदी डिजाइन में हाथों में भरकर मेहंदी नहीं लगाई जाती है। बल्कि इसमें बेल टाइप मेहंदी डिजाइन ज्यादा पसंद की जाती है। साथ ही आपकी लगी हुई मेहंदी हैवी भी नजर आती है। इनमें बहुत सारे डिजाइन आजकल ट्रेंड में हैं, इनमें से आप कुछ अलग हट कर डिजाइन अपने हाथों पर लगवा सकती हैं।

इस डिजाइन में हथेली को पूरी तरह भर कर बनाया जाता है। यह डिजाइन बहुत खिलता हुआ नजर आता है।

पोर्ट्रेट मेहंदी डिजाइंस

आजकल इस तरह की मेहंदी डिजाइन भी काफी ज्यादा पसंद की जा रही है। इसमें अपने किसी खास व्यक्ति की मुखाकृति को बनाया जाता है। शादी और तीज जैसे त्यौहारों पर तो खासकर इस मेहंदी डिजाइन को काफी पसंद किया जाता है। खासकर ब्राइडल के हाथों पर इन मेहंदी को आपने लगा देखा होगा। इसमें दूल्हा और दुल्हन की आकृति को हाथों पर बनाया जाता है। जिससे ब्राइडल के हाथ बेहद सुंदर नजर आते हैं। तीज जैसे त्यौहारों पर भी इस मेहंदी डिजाइन का काफी क्रेज देखा जा रहा है।

टैटू मेहंदी डिजाइंस

अगर आपके पास कम समय है और आप कुछ घंटे बैठकर मेहंदी कहीं लगवा नहीं पाती हैं तो ऐसे में टैटू मेहंदी लगा सकती हैं। इसके लिए बाजार में मिलने वाले मेहंदी के टैटू आप स्वयं लेकर आसानी से हाथों पर लगा सकती हैं। टैटू मेहंदी में आप काफी सारे डिजाइन, जो काफी ट्रेंडी और यूनिक हैं, उन्हें खरीद के इस तीज पर अपने हाथों पर लगा सकती हैं।

ज्वेलरी मेहंदी डिजाइंस

त्यौहारों पर यह मेहंदी डिजाइन भी बेहद सुंदर नजर आती है। ज्वेलरी मेहंदी के डिजाइन इस तरह के लगाए जाते हैं कि आपके हाथों पर लगाई गई मेहंदी गहनों की तरह नजर आती है। ज्वेलरी मेहंदी डिजाइंस आमतौर पर पूरे हाथ, बाजू और पैरों को कवर करते हैं और बहुत विस्तृत और कलात्मक होते हैं। इन्हें अगर सफाई से नहीं लगवाया जाए तो फिर ज्यादा सुंदर नहीं लगते हैं। ऐसे में मेहंदी लगाने वाले का एक्सपर्ट होना जरूरी है।

(ब्यूटीशियन साधना शर्मा से बातचीत पर आधारित)

बच्चे और आप
नीलम अरोड़ा

छोटे बच्चे अपने पापा-मम्मी के पास ज्यादा से ज्यादा रहना चाहते हैं। पैरेंट्स भी यही चाहते हैं। सवाल यह है कि बच्चे रात में अकेले सोएं या अपने पापा-मम्मी के साथ? इस बारे में आपके लिए जरूरी सलाह।

बच्चों को अपने साथ सुलाना कितना सही-कितना गलत

हमारे देश में ही नहीं, दुनिया के कई और देशों में भी बच्चों को काफी उम्र तक माता-पिता अपने साथ सुलाते हैं। उनका मानना होता है कि इससे बच्चों की माता-पिता के साथ बॉन्डिंग ज्यादा गहरी होती है। बच्चे स्वयं को सुरक्षित महसूस करते हैं। पैरेंट्स भी उनकी सुरक्षा के विषय में सुनिश्चित रहते हैं। कई माता-पिता अपने बेडरूम में ही बच्चों को एक ही पलंग पर सुलाते हैं, तो कई अपने बेड पर न सुलाकर उन्हें उनके लिए अलग बेड की व्यवस्था करते हैं। पश्चिमी देशों में इसके विपरीत बच्चों को शुरू से ही अलग सुलाया जाता है, जिसमें सबसे बड़ी वजह बच्चों को बेहतर नींद आए और माता-पिता की प्राइवेसी में कोई खलल न पड़े।

साथ सुलाने के फायदे: बच्चों को साथ सुलाने के कई फायदे होते हैं। इससे उनको भावनात्मक सुरक्षा तो मिलती ही है, जब वो साथ सोते हैं तो कम रोते हैं और कम तनावग्रस्त होते हैं। उनका शारीरिक विकास भी बेहतर होता है, क्योंकि अलग सोने वाले बच्चों की तुलना में वे खुश रहते हैं, उनकी कम तनाव होने और स्वस्थ रहने से उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है। माता-पिता जब बच्चों को अपने साथ सुलाते हैं तो चूंकि वे उनकी सुरक्षा के प्रति आश्वस्त होते हैं, उन्हें भी अच्छी नींद आती है। बच्चों के साथ उनके रिश्ते मजबूत होते हैं। एक-दूसरे के करीब होने के कारण वे एक-दूसरे की शारीरिक और मानसिक जरूरतों को ज्यादा अच्छी तरह से समझ सकते हैं। साथ में सुलाने से बच्चों की देखभाल करना, उनकी किसी भी तरह की जरूरत को समझना उनके लिए ज्यादा सुविधाजनक होता है।

बच्चों को अलग कब सुलाएं: इस विषय में कोई सटीक जवाब नहीं मिलता है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों को छह महीने के बाद अलग सुलाना चाहिए। जबकि कुछ का मानना है कि बच्चे जब दो या तीन साल के हो जाते हैं तो पैरेंट्स को अपनी प्राइवेसी मेंटेन करने के लिए उन्हें अपने से अलग सुलाना चाहिए। कुछ बालरोग विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों के साथ लंबे समय तक बेड शेयरिंग नहीं करनी चाहिए। खासतौर पर बच्चे जब छोटे हों। क्योंकि नींद में बच्चों की स्थिति का पता नहीं चलता। ऐसे में यदि माता-पिता को कोई संक्रामक रोग है तो इसका असर बच्चे पर पड़ सकता है।

कुछ और जरूरी सुझाव: यदि बच्चा प्री-मैच्योर है तो उसे मां को अपने साथ सुलाना चाहिए। बच्चे को एक ही बिस्तर पर सुलाने से जगह कम होने के कारण उनके गिरने की भी आशंका रहती है।

- यदि बच्चे को लंबे समय तक अपने साथ सुलाया जाए तो एक समय के बाद उसे अकेले सोने में डर लगता है। बाद में उनकी आदत बदलना कठिन होता है।
- अगर आप भी अपने बच्चों को अपने साथ सुलाती हैं तो इस बात का खास ख्याल रखें कि आपका बिस्तर कितना लंबा चौड़ा है। अगर इसमें पर्याप्त स्थान नहीं है तो बच्चे के गिरने या दबने की भी आशंका रहती है।
- अगर बच्चे का माता-पिता के साथ ज्यादा भावनात्मक जुड़ाव हो तो उसे धीरे-धीरे अपने से अलग सुलाने की आदत डालनी चाहिए। साथ सुलाने में माता-पिता की ही नहीं बच्चे की नींद भी बाधित होती है।
- बच्चा अगर बहुत छोटा नहीं है तो उसके लिए अपने ही कमरे में अलग बेड की व्यवस्था करें। धीरे-धीरे उसे अलग कमरे में सुलाएं, लेकिन उसका कमरा आपके बेडरूम से ज्यादा दूर नहीं होना चाहिए। ताकि रात के समय जब उसे आपकी जरूरत हो तो आप उसके लिए तुरंत वहां हाजिर हो सकें।

मेंटल हेल्थ
अंजू जैन

क्या आप हमेशा सोचती हैं नेगेटिव

कुछ लोगों का मन हमेशा उदासी में डूबा रहता है। उन्हें लगता है, कोई उनको पसंद नहीं करता। अपने आपको हर काम में असक्षम मान लेते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा है तो आप नेगेटिवटी से घिरी हुई हैं, मानसिक रोग से ग्रस्त हो सकती हैं। इससे जल्द से जल्द उबरिए। सबसे पहले अपने आपको पहचानें कि क्या आप मानसिक रोग से ग्रस्त हैं, फिर अपनी सोच बदलने का प्रयास करें।

मुझे कोई चाहता नहीं: 'मेरी किसी को परवाह नहीं।', 'हर कोई खुद में ही मस्त है, मुझे कोई नहीं चाहता।' अगर अकेले में आप ऐसा बार-बार सोचती हैं तो समझ लें कि आपका दिमाग वास्तविकता की बजाय भावनाओं में बह रहा है, बहका हुआ है। ऐसे में कई बार आप अचानक अपराधबोध की शिकार हो जाती हैं, सोचती हैं कि मैंने कुछ गलत किया है।

क्या करें: 'द हैप्पीनेस ट्रैप' पुस्तक में मनोविज्ञानी रस हैरिस ने लिखा है कि इस स्थिति में आपको अपनी अनुभूतियों को कंट्रोल में लाना होगा, सच्चे मन से वास्तविकता को पहचानना होगा। 'मैं अकेली हूं, मुझे कोई नहीं चाहता।' ऐसा कुछ सोचना, अस्थाई मानसिक स्थिति के इमोशंस हैं। इन्हें आपको हवा में उड़ाना सीख लेना चाहिए। अपने इमोशंस को कंट्रोल सकती हैं।

कोशिश करना बेकार है: आपको अपनी पसंदीदा जॉब की वैकेंसी की खबर मिलती है। आप पल भर के लिए उत्साहित होती हैं। लेकिन अगले ही पल आपका मन बुझ जाता है, आप अपनी क्वालिफिकेशन से ज्यादा अपनी कमियां गिनने लगती हैं। फिर सोचती हैं कि मुझे यह जॉब नहीं मिलेगी।

क्या करें: यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना की पॉजिटिव इमोशंस एंड साइको-फिजियोलॉजिकल लैब में डायरेक्टर बारबरा फ्रेड्रिक्शन कहती हैं, 'हमारी ज्यादातर नेगेटिविटी मेंटल टाइम ट्रैवल से आती है। नेगेटिविटी से उबरने के लिए आप धीरे-धीरे अपनी पॉजिटिव बातों पर फोकस करिए। एक-एक कर आपको अपनी क्षमताओं का अनुभव होने लगेगा, उसी वक्त संकल्प लें कि आपको पूरी ऊर्जा के साथ यह काम करना है। हर शाम दिनभर की अच्छी बातें, घटनाएं और उपलब्धियां लिखें और इसके लिए ऊपर वाले का शुक्रिया अदा करें। मेडिटेशन करें। आपको निराशा से उबरने में मदद मिलेगी।'

हर बुरी बात के लिए खुद को जिम्मेदार मानना: कई बार आप अपने आस-पास होने वाली हर बुरी बात के लिए खुद को जिम्मेदार मानने लगती हैं। कोई किसी मीटिंग या किसी पार्टी में आपके जाते ही निकल जाता है तो आपको लगता है कि वह आपके व्यवहार से नाराज है।

क्या करें: सबसे पहले आपको इस बात पर विश्वास करना होगा कि दुनिया में या आपके इर्द-गिर्द हो रही हर बात के लिए आप जिम्मेदार नहीं हैं। मनोचिकित्सक और 'यू आर नॉट युअर ब्रेन' की लेखिका रेबेका ग्लेडिंग कहती हैं, 'आपको स्वीकार कर लेना चाहिए कि दूसरों के मूड पर आपका कोई नियंत्रण नहीं है। इससे उबरने में मदद मिलेगी।'

फिटनेस
शिखर चंद जैन

घरेलू कामों से भी होती है एक्सरसाइज

फिट रहने के लिए हमेशा जरूरी नहीं कि जिम में जाकर वर्कआउट ही करें। आप बहुत से घरेलू काम करते हुए भी एक्सरसाइज के फायदे उठा सकती हैं, अपनी फिटनेस मेंटेन कर सकती हैं। इस बारे में जानिए।

रवीना अपने बढ़ते वजन और कमर के बढ़ते घेरे से परेशान थी। मोटापे के कारण न सिर्फ उसका शरीर बेडौल होने लगा बल्कि उसे गैस और अपच जैसी समस्याएं भी सताने लगीं। फैमिली डॉक्टर उसे कई बार सुबह-शाम वर्कआउट करने के लिए या जिम ज्वाइन करने के लिए कह चुके थे। लेकिन रवीना को वक्त ही नहीं मिलता था। सुबह बेटे-बेटी को स्कूल भेजती, फिर पति के साथ ब्रेकफास्ट करती। ग्यारह बजे हाउसमेड आ जाती, उससे लंच बनवाने, कपड़े धुलवाने, बर्तन मंजवाने और पूरे घर की साफ-सफाई करवाने में एक बज जाता। उसके जाने पर वह खाना खाती, टीवी देखती और दो घंटे सो जाती। शाम को सोसायटी की कुछ महिलाएं आ जातीं, उनसे गप-शप करने में 6 बज जाते, फिर डिनर की तैयारी करती। इस तरह न तो उसे जिम जाने की फुर्सत मिलती और न वर्कआउट करने की। एक दिन उसने अपनी सहेली शैलजा से अपनी समस्या बताई और पूछा, 'तू भी तो जिम नहीं जाती फिर कैसे फिट दिखती है?' इस पर शैलजा बोली, 'घर की साफ-सफाई से लेकर बर्तन, कपड़े धोने, गार्डनिंग और खाना बनाने तक का काम मैं ही करती हूं। यही तो है मेरी फिटनेस और हेल्दी रहने का राज। तुझे पता है, घर के काम-काज करने का फायदा भी जिम जाने जितना ही मिलता है।' शैलजा ने बिल्कुल ठीक कहा।

क्या कहती हैं स्टडीज: हाल ही में एक अध्ययन के नतीजे में कहा गया है कि घरेलू काम-काज का फायदा जिम जाने या रोजाना वर्कआउट जितना ही मिलता है। पोछा लगाने, घर साफ करने, बागवानी करने और बाजार से साग-सब्जी या घरेलू सामान लाने से भी काफी कैलोरी बर्न होती है, क्योंकि इन कामों में फिजिकल मूवमेंट्स भी काफी होती हैं। आप वर्किंग वूमेन हों या होममेकर, अगर वर्कआउट के लिए समय नहीं निकाल पातीं, तो अपनी दिनचर्या में से वो पल या काम ढूंढ़ लें, जिससे आप फिजिकल मूवमेंट्स में इंवॉल्व रह सकती हैं। आपको किसी तरह की हेल्थ प्रॉब्लम है, तो डॉक्टर से कंसल्ट कर वर्कआउट कर सकती हैं।

ये भी हैं तरीके: एक्सरसाइज का टाइम नहीं मिलता तो फिजिकल एक्टिविटी के लिए घर से ऑफिस जाते समय बस से एक स्टॉपेज पहले उतर कर पैदल जा सकती हैं। इसी प्रकार आते समय भी घर से एक स्टॉपेज पहले उतर सकती हैं। चौथी मंजिल पर स्थित ऑफिस और तीसरी मंजिल पर मौजूद फ्लैट में जाने के लिए लिफ्ट के बजाय सीढ़ियों को यूज कर सकती हैं। इसी प्रकार बागवानी करने से भी तन और मन दोनों फिट रहते हैं। बागवानी के लिए काफी चलना-फिरना पड़ता है, हाथों की मूवमेंट्स करनी पड़ती है। इससे भी एक्सरसाइज होती है।

इस बात का रखें ध्यान: अगर किसी को फ्रोजन शोल्डर या टेनिस एल्बो की परेशानी नहीं है, तो उसके लिए स्वीमिंग एक अच्छी एक्सरसाइज हो सकती है। इससे कंधों और भुजाओं की अच्छी एक्सरसाइज हो जाती है। साथ ही कोर मसल्स को मजबूती भी मिलती है। बैठकर पोंछा लगाना भी एक अच्छी एक्सरसाइज है, जिन्हें घुटनों में तकलीफ हो उन्हें खड़े-खड़े पोंछा लगाना चाहिए।

(फिटनेस ट्रेनर चिन्मय राय से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

बहादुरगढ़। सेक्टर-2 में पौधे लगाते विजय कुमार व अन्य। फोटो :हरिभूमि

सेक्टर-2 में किया पौधरोपण

बहादुरगढ़। वैटरन एयर वारियर्स एसोसिएशन और जन रक्षा मंच की ओर से एक पौधा धरती मां के नाम अभियान के सेक्टर-2 में पौधरोपण किया गया। संस्था प्रधान विजय कुमार कालीरामना के नेतृत्व में फलदायी व ऑक्सीजन देने वाले पौधे लगाए गए। उन्होंने बताया कि पौधारोपण के उपरांत वे इनकी नियमित देखभाल भी करते रहेंगे। इस मौके पर देवदत्त गौड़, आनंद फोगाट, सोनू, ज्योति फोगाट व मोनू आदि मौजूद रहे।

बजरंग वाहिनी ने बांटे तुलसी के पौधे

बहादुरगढ़। अखिल भारतीय बजरंग वाहिनी के पदाधिकारियों ने सोमवार सुबह छोटूराम नगर के शिव मंदिर में तुलसी के पौधे वितरित किए। राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रदीप सिन्हा, प्रांत प्रमुख मनोज दुहन, मुख्य पुजारी रामप्रवेश, अमरनाथ कुशवाहा, शंभू सिंह व दिनेश आदि ने बताया कि पौधे लगाने का सबसे उपयुक्त समय सावन का महीना है। तुलसी के पौधे में औषधि और दैवीय गुण पर्याप्त मात्रा में हैं।

आईडीटीआर सेंटर में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

बहादुरगढ़। शहर के आईडीटीआर सेंटर में सोमवार को दुर्घटना रोकने और यातायात नियमों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम हुआ। एडीटीओ राजेश मलिक ने प्रतिभागियों को यातायात नियमों की जानकारी दी। हिट एंड रन के मामलों में मुआवजे का प्रावधान है। सड़क हादसे में घायल को 1.5 लाख रुपए तक कैशलेस इलाज की सरकारी योजना है। उन्होंने गोल्डन ऑवर के दौरान दुर्घटना पीड़ितों के उपचार का महत्व, सड़क सुरक्षा जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर ट्रांसपोर्ट इंस्पेक्टर सचिन कुमार, ट्रांसपोर्ट सब इंस्पेक्टर अमित कुमार आदि ने भी वाहन चालकों को जानकारी दी।

बालक की मदद के लिए इस मंगल कार्य में उसकी दादी राज सहयोग कर रही

बीमार पिता की मन्नत पूरी करने के लिए दो कांवड़ों के साथ चल रहा गांव किलडौद का नन्हा बालक अमन

■ अमन ने बताया कि अबकी बार उसके पिता बीमार हैं, इसलिए वह अपनी और अपने पिता के नाम की कांवड़ लेकर आया है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

सावन माह में कांवड़ लाकर भगवान भोले का शंकर का जलाभिषेक करने की परंपरा से बच्चों में अपने बड़ों का अनुसरण करने की भावना को बढ़ावा मिला है। यह बात उस समय सच साबित हुई जब शहर के सांपला बाईपास स्थित कांवड़ सेवा शिविर में करीब चौदह वर्षीय एक बालक दो कांवड़ों के साथ पहुंचा। शिव कांवड़ संघ रामपुरा-जौंधी द्वारा लगाए इस शिविर में विश्राम करने के लिए रुके जिले के गांव किलडौद निवासी अमन ने बताया कि उसके पिता नफे सिंह प्रति वर्ष कांवड़ लाते हैं। उसकी दादी राज भी कांवड़ ला चुकी है जिस कारण उसके मन भी कांवड़ लाने की इच्छा रहती थी। अबकी बार उसके पिता बीमार हो गए तो वह कांवड़ लाने के चला गया। अब वह दो कांवड़ एक साथ लेकर चल रहा है।

झज्जर। दो कांवड़ों का दिखाता हुआ बालक अमन, वजनी कांवड़ लेकर पहुंचे सिलानी गांव के युवा। फोटो :हरिभूमि

एक अपनी और दूसरी अपने पिता के नाम की। हालांकि बालक की मदद के लिए इस मंगल कार्य में उसकी दादी राज भी सहयोग कर रही हैं।

लेकिन उनका कहना भी यही है आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले उसके पौते अमन ने अपना अधिकांश सफर दो कांवड़ों के साथ तय किया है। अब वे अपने गांव के नजदीक पहुंच चुके हैं तो उसे किसी बात की चिंता नहीं रही।

युवा लेकर आ रहे भारी भरकम कांवड़

गांव सिलानी जालिम निवासी पांच युवा भी भक्ति से पूर्णतया सरोबार दिखाई दिए और हरिद्वार पहुंच अपनी क्षमता अनुसार ऋतिक ने पिट्ठू कांवड़, हैप्पी ने 31 लीटर, रवि ने 41 लीटर, साहिल ने 51 लीटर, सचिन ने 61 लीटर वजन वाली कांवड़ उठा ली। अब वे निरंतर इन वजनी कांवड़ों के साथ अपना सफर तय कर रहे हैं। सचिन ने बताया कि वे सभी दोस्त हैं तथा पढ़ाई करते हैं।

निष्ठा भाव से की जा रही कांवड़ियों की सेवा

उधर, कांवड़ सेवा शिविरों की बात की जाए तो वहां श्रद्धालुओं द्वारा कांवड़ियों की सेवा पूरी निष्ठा भाव से की जा रही है। युवाओं के साथ-साथ बच्चों में कांवड़ सेवा करने का शौक उमड़ रहा है। कांवड़ सेवा शिविरों में आने वाली खड़ी कांवड़ की सेवा के लिए बच्चे स्नान आदि कर शिविर में पहुंच जाते हैं तथा कई-कई घंटे तक कांवड़ लेकर खड़े रहते हैं। गुर्जर धर्मशाला में कांवड़ियों की सेवा करने वाला अनुज भटनागर शिविर के शुभारंभ से रोजाना सुबह घर से शिविर तक पेटपलनिया सेवा करने आता है। अनुज भटनागर ने बताया कि वह उसने 18 जुलाई से शिविर में आना शुरू किया था। बता दें कि सांपला फ्लाईओवर पर शिव कांवड़ संघ रामपुरा-जौंधी, बिटोडिया मंदिर में भगवान महादेव कांवड़ सेवा संघ, चौहान पैलेस में शिव ग्रुप सब्जी मंडी व गुर्जर धर्मशाला में शिव-गणेश कांवड़ संघ द्वारा शिविरों का आयोजन किया है। इसके अलावा सांपला रोड, बेरी गेट, यादव धर्मशाला, खाजपुर, रईया, डावला, सुरेहती, हसनपुर आदि गांवों के श्रद्धालुओं द्वारा सड़क किनारे शिविर लगाए हुए हैं।

बहादुरगढ़। मॉडलों के बारे में जानकारी लेते डॉ. एचएस दहिया। फोटो :हरिभूमि

प्रदर्शनी में लगाए आकर्षक मॉडल

बहादुरगढ़। सेंट सोल्जर एमआर पब्लिक स्कूल में प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। "नवाचार, कल्पना और प्रेरणा" विषय पर हुई प्रदर्शनी में विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान और कला पर आधारित मॉडल और परियोजनाएं प्रदर्शित की गईं। प्रदर्शनी का उद्घाटन स्कूल निदेशक डॉ. एचएस दहिया ने किया। उन्होंने छात्रों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व और प्रायोगिक शिक्षा को बढ़ावा मिलता है। प्रधानाचार्या मधु दहिया ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, नवाचार और वैज्ञानिक सोच का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। छात्रों ने अपने प्रोजेक्ट्स के बारे में आत्मविश्वास से जानकारी दी। सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई प्रणाली, स्मार्ट ट्रैफिक कंट्रोल मॉडल, प्राचीन भारत की सभ्यताओं के त्रि-आयामी मॉडल और पर्यावरण संरक्षण पर आधारित कलाकृतियां शामिल थीं।

झज्जर। समारोह में शिक्षकों के साथ उपस्थित नव पदाधिकारी। फोटो :हरिभूमि

नेतृत्व का अर्थ दूसरों पर शासन करना नहीं बल्कि उनके साथ खड़े रहना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

■ हर बच्चा नेता बन सकता है यदि वह अपने आचरण और विचारों में अनुशासन और सेवा का भाव रखे

संस्कारम इंटरनेशनल पाटौदा में सोमवार को अंलकरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विभिन्न कक्षाओं के प्रतिनिधि विद्यार्थियों में से स्कूल कैप्टन, वाइस कैप्टन, कल्चरल हेड व स्पोर्ट्स लीडर का चुनाव किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों को बैज व सैश धारण करवा कर उन्हें पद एवं कर्त्तव्य पालना संबंधी शपथ दिलाई गई। चुने गए पदाधिकारियों में क्रेज सदन से हिमांशी को कैप्टन तथा लक्ष्य को वाइस कैप्टन बनाया गया। इसी प्रकार ट्रस्ट सदन से जोशिका को कैप्टन व मयंक को वाइस कैप्टन, रेस्पेक्ट सदन से आराध्या को कैप्टन तथा शौर्य को वाइस कैप्टन, ओनेस्ट सदन से सिया को कैप्टन व इशांत वाइस कैप्टन की जिम्मेवारी सौंपी गई। संस्कारम समूह के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने अपने संबोधन में कहा कि नेतृत्व का अर्थ दूसरों पर शासन करना नहीं, बल्कि उनके साथ खड़े रहना है। हर बच्चा नेता बन सकता है यदि वह अपने आचरण और विचारों में अनुशासन और सेवा का भाव रखे। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य केवल अकादमिक शिक्षा नहीं बल्कि नेतृत्व निर्माण है।

समर्थ किशोरी विकास केंद्र में प्रशिक्षणार्थियों को बनाया जा रहा आत्मनिर्भर

झज्जर। समर्थ किशोरी विकास केंद्र में प्रशिक्षणार्थियों को बनाया जा रहा आत्मनिर्भर।

झज्जर। शहर के पुराना बस स्टैंड के नजदीक स्थित संत रविदास उन्नत सिलाई केंद्र में महिलाओं व किशोरियों को सिलाई, कढ़ाई व बुनाई की कला का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सेवा भारती द्वारा संचालित इस केंद्र की संचालिका राजवंती ने बताया कि यहां पर सिलाई, कढ़ाई, बुनाई के साथ महिलाओं को उनके जीवन में आने वाली समस्याओं के समाधान की जानकारी भी दी जाती है। सोमवार को पंचकर्म विशेषज्ञ डॉक्टर ज्योति ने प्रशिक्षण लेने वाली किशोरियों व महिलाओं को जीवनशैली के तौर-तरीकों व दिनचर्या को बेहतर बनाने की जानकारी दी। कार्यक्रम में उपस्थित राष्ट्रपति अवार्डी नेहा गुलिया ने आधुनिक समय में आय बढ़ाने के माध्यमों की जानकारी देते हुए बताया कि केंद्र में मेहंदी लगाने का कार्य भी सिखाया जा रहा है जिसमें किशोरियों को भाग लेना चाहिए। वे सिलाई के साथ-साथ मेहंदी लगाने के कार्य से भी अपनी आमदनी बढ़ा सकती हैं। उनके संस्थान का उद्देश्य वंचित व आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की किशोरियों व महिलाओं के लिए स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना है। सेवा भारती की ओर से छह माह व एक वर्ष की अवधि का सिलाई, कढ़ाई व ब्यूटीशियन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कार्यक्रम में सेवा भारती के जिला प्रचार-प्रसार प्रमुख राकेश कुमार ने भी संबोधित किया। इस संबंध में प्रशिक्षण लेने वाली किशोरी सोनिया, नेहा, श्वेता आदि ने बताया कि केन्द्र में आने से जहां वे समय का सदुपयोग कर पा रहीं है वहीं वे प्रशिक्षण लेने के बाद अपना खुद का सिलाई केंद्र भी शुरू कर पाएंगी।

स्कूल में विद्यार्थियों को बताए नियम

■ बच्चों को अंजान व्यक्ति से सतर्क रहने की सलाह दी गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

सोमवार को पुलिस इंस्पेक्टर सतीश कुमार के नेतृत्व में सनातन धर्म सीनियर सेकेंडरी स्कूल में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बच्चों को अपराध और यातायात नियमों के बारे में जानकारी दी गई। इंस्पेक्टर सतीश कुमार ने बताया कि अपराध से बचने के लिए उनके तरीकों की जानकारी होना अति आवश्यक है।

बहादुरगढ़। स्कूल में विद्यार्थियों को जानकारी देते इंस्पेक्टर सतीश कुमार।

बच्चों को अंजान व्यक्ति से सतर्क रहने की सलाह दी गई। आसपास कोई अपराधी किस्म का व्यक्ति दिखने पर तुरंत डॉयल 112 पर कॉल करके पुलिस को सूचना देने का आग्रह किया गया। बच्चों को यातायात के नियमों का पालन करने की हिदायत दी गई। बच्चों को अच्छा नागरिक बनने का भी पाठ पढ़ाया गया।

बहादुरगढ़। बैठक में पदाधिकारियों से चर्चा करते जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि।

जिलाध्यक्ष ने ली मंडल भाजपा की बैठक

बहादुरगढ़। भाजपा जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि ने बहादुरगढ़ मंडल की कामकाजी बैठक में हिस्सा लिया। इससे पहले उन्होंने श्रीश्री 1008 महामंडलेश्वर श्री गणेशानंद गिरी जी महाराज से आशीर्वाद लिया।भाजपा सुशासन विभाग के जिला प्रमुख रामकंवार सैनी और मंडल अध्यक्ष संजय सैनी ने गणेशानंद गिरी जी महाराज, जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि और भाजपा नेता दिनेश कौशिक का स्वागत किया। बादली रोड पर स्थित संजय सैनी के कार्यालय में हुई बैठक में जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि ने सभी पदाधिकारियों को उनके कर्तव्य से अवगत करवाया। साथ ही बहादुरगढ़ की समस्याओं के समाधान के लिए अहम भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। बैठक के बाद पूरी कार्यकारिणी ने डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में एक पेड़ मां के नाम मुहिम के तहत पौधे लगाए। साथ ही उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। इस मौके पर सुदेश रंगा, रमेश राठी व दयाकिशन जांगड़ा आदि उपस्थित रहे।

एकता व ईश्वरीय सुरक्षा का संकल्प दिलाया

ब्रह्माकुमारियों ने बराही में मनाया रक्षाबंधन

■ गांव के शिवालय में आयोजित कार्यक्रम में बीके विनीता दीदी ने रक्षाबंधन के आध्यात्मिक महत्व को विस्तार से समझाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सेक्टर-2 सेवाकेंद्र की ओर से बराही गांव में रक्षाबंधन का पावन पर्व आध्यात्मिक उल्लास और सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाया गया। गांव के शिवालय में आयोजित कार्यक्रम में बीके

बहादुरगढ़। बराही में रक्षाबंधन का महत्व समझाती बीके विनीता दीदी। फोटो :हरिभूमि

विनीता दीदी ने रक्षाबंधन के आध्यात्मिक महत्व को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि राखी बांधने का अर्थ विकारों से रक्षा का संकल्प लेना और ईश्वर से अपना आध्यात्मिक संबंध सुदृढ़ करना है। बीके रुबी दीदी ने परमात्मा शिव द्वारा सुनाए जा रहे दिव्य महावाक्य (मुरली) सुनाए। कार्यक्रम में मौजूद माताओं व बहनों को राखी बांधी गई, तिलक लगाया गया और एकता व ईश्वरीय सुरक्षा का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम में रजत व नवीन विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी को ईश्वरीय प्रसाद वितरित किया गया।

बहादुरगढ़। ग्रामीणों को पौधे भेंट करती ब्रह्माकुमारियां। फोटो :हरिभूमि

ब्रह्माकुमारियों ने गांवों में बांटे पौधे

बहादुरगढ़। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की सेक्टर-13 शाखा द्वारा नया गांव, देशलपुर, डाबोदा खुर्द, मेहंदीपुर, बालौर, सिद्दीपुर लोवा, लोवा माजरा, लुकसर व गंगडवा गांव में रक्षाबंधन को लेकर कार्यक्रम आयोजित किए गए। मिशन हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ अजय जैन ने पौधा वितरण में विशेष योगदान दिया। बीके रेनू बहन ने रक्षाबंधन का आध्यात्मिक रहस्य समझाया। ब्रह्मकुमारियों ने हर गांव में राखी का संदेश देते हुए सबको पौधा वितरित कर अधिक से अधिक पौधारोपण करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सभी को राखी बांधकर पौधे की पालना करने की प्रतिज्ञा भी कराई। कार्यक्रमों में नवीन देशलपुर, आजाद बुपनिया, मंजीत डाबोदा, रोहतास नया गांव, जयभगवान नूना माजरा, राजेश यादव बालौर आदि ने संस्था के इस कार्य की सराहना की। इस मौके पर बीके ममता, निधि, प्रीति, दीपा बहन आदि लोगों को जागृत करने में सहयोग किया।

सूचना

मैं, लीलू राम पुत्र श्री जयभगवान निवासी गांव अकेहड़ी मदनपुर तहसील मातनहेल जिला झज्जर, हरियाणा बयान करता हूं कि मेरा पुत्र सागर मेरे व मेरे परिवार के कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

झज्जर। महाविद्यालय परिसर में स्थापित किया गया हेल्प डेस्क।

विद्यार्थियों के लिए लगाया हेल्प डेस्क

झज्जर। राजकीय महाविद्यालय दुजाना में सोमवार को राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई एक व दो द्वारा महाविद्यालय में प्रथम वर्ष में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए हेल्प डेस्क लगाया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉक्टर सजनी देवी व डॉक्टर नरेंद्र दहिया ने बताया कि प्राचार्य डॉक्टर राजेश कुमार के नेतृत्व में विद्यार्थियों की सहायता के लिए हेल्प डेस्क लगाई गई है। बीए प्रथम वर्ष की संयोजिका डॉक्टर सीमा कुंडू ने बताया कि महाविद्यालय में ओपन काउंसलिंग के माध्यम से दाखिला प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

झज्जर। बाबा कांशीगिरी मंदिर में भजनों का आनंद लेते हुए श्रद्धालु।

भक्तों के लिए शिव पूजा बहुत महत्वपूर्णः कौशिक

झज्जर। शिव की पूजा करने से आत्मा की शुद्धि होती हैं। इससे मन और आत्मा को शांति मिलती है। यह बात सावन मास के उपलक्ष्य में बाबा कांशीगिरी महाराज मंदिर में आयोजित शिव महापुराण कथा में कथावाचक पंडित पवन कौशिक ने श्रद्धालुओं को कथा श्रवण कराते हुए कही। कथा वाचक ने कहा कि भक्तों के लिए शिव पूजा बहुत महत्वपूर्ण है। सावन मास भगवान शिव को सबसे प्रिय होता है। इस महीने में भक्त भगवान का पूजन, अभिषेक करते है और व्रत करते है। इस माह में की गई पूजा का विशेष लाभ मिलता है। पूरे सावन माह में सोमवार का व्रत रखना चाहिए।

मांडोठी के छोरे ने इंटरनेशनल पदकों की हैट्रिक लगाई

सुमित दलाल ने सीनियर रैंकिंग कुश्ती चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता

■ वियतनाम में हुई एशियन चैंपियनशिप और जर्मनी में हुई वर्ल्ड मिलट्री कुश्ती चैंपियनशिप में जीते थे गोल्ड मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। विदेशी पहलवान से मैट पर टकराता सुमित दलाल।

कुश्ती के मैट पर एक के बाद एक विदेशी पहलवानों को धूल चटाते हुए गांव मांडोठी के छोरे सुमित पहलवान ने इंटरनेशनल पदकों की हेट्रिक जमा दी है। हंगरी में चल रही सीनियर रैंकिंग कुश्ती चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए सुमित दलाल ने बीती रात सिल्वर मेडल जीत लिया।

बता दें कि इन दिनों हंगरी के बुडापेस्ट में पॉलिक इमरे एवं वर्गा जोनेस रैंकिंग कुश्ती सीरीज चल रही है। दुनियाभर के पहलवान इसमें भाग ले रहे हैं। भारतीय टीम में शामिल मांडोठी के छोरे सुमित दलाल ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए 60 किलोग्राम ग्रीको रोमन स्पर्धा में रजत पदक जीता है। पिछले महीने वियतनाम में हुई एशियन चैंपियनशिप और जर्मनी में हुई वर्ल्ड मिलट्री कुश्ती चैंपियनशिप में सुमित ने गोल्ड मेडल जीते थे। हंगरी में चल रही वर्ल्ड रैंकिंग सीरीज में भी सुमित से स्वर्ण पदक की उम्मीद थी। लेकिन उसे सिल्वर मेडल से ही संतोष करना पड़ा। गांव मांडोठी स्थित हिंद केसरी सोनू अखाड़े में अभ्यास करने वाले सुमित के रजत पदक जीतने पर उनके अर्जुन अवॉर्डी कोच धर्मेंद्र दलाल ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने बताया कि सुमित तीन बार वर्ल्ड चैंपियनशिप में मेडल जीत चुका है। वह विदेश से हर बार देश के लिए मेडल जीतकर लौटा है।

हरियाणा वॉटर पोलो टीम का चयन

बहादुरगढ़। शहर की एचएल सिटी में स्थित चैंपियंस एक्वेटिक अकादमी में हरियाणा वॉटर पोलो टीम का चयन किया गया। हरियाणा वॉटर पोलो बॉयज और गर्ल्स टीम में 13-13 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। हरियाणा स्विमिंग एसोसिएशन के महासचिव अनिल खत्री की देखरेख में टीम के चयन की प्रक्रिया पूरी की गई। वॉटर पोलो गर्ल्स टीम में खिलाड़ी निकिता, निभा कुमारी, कनिष्का, रिया सहारण, खुशमिल इंसां, शिवानी, आस्था, दिव्या, निहारिका, निशु, कोमल, तमन्ना, दीक्षा का चयन हुआ। लड़कों की टीम में निखिल, युपनजोत, हरमीत, हरप्रीत, नवनीत, कमलदीप, रमन, शुभम, कार्तिक, देवांश कादयान, अंकुश, यशदीप, इशांत चुने गए। अनिल खत्री ने बताया कि 51वीं जूनियर नेशनल एक्वेटिक चैंपियनशिप बेंगलुरु में 4 से 8 अगस्त तक आयोजित होगी। इस मौके पर स्विमिंग कोच विनोद, संजय कादयान, साईं जाधव और पदमपाल शर्मा के साथ सुरेश जून, इंस्पेक्टर विकास कादयान, बलवान कादयान, प्रवीण और कोच मोनू आदि मौजूद रहे।

तक्षशिला विद्यापीठ बेरी की छात्रा आयशा ने तीरंदाजी चैंपियनशिप में जीता सिल्वर मेडल

झज्जर। तक्षशिला विद्यापीठ बेरी की होनहार छात्रा आयशा ने सीबीएसई द्वारा आयोजित नोर्थ जॉन तीरंदाजी चैम्पियनशिप में सिल्वर मेडल जीतकर नेशनल लेवल के लिए क्वालिफाई किया है। आयशा की इस उपलब्धि पर विद्यालय निदेशक हरबीर डबास, चेयरमैन सुखबीर डबास व प्राचार्य नसीब अहलावत ने उसे मेडल व प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया। उन्होंने इस उपलब्धि पर स्टॉफ सदस्यों ने बधाई देते हुए आयशा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दुजाना कॉलेज के छात्र ने जूनियर एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में जीता सिल्वर मेडल

झज्जर। किर्गिस्तान के बिश्केक में आयोजित अंडर-20 एशियन कुश्ती चैंपियनशिप ग्राको रोमन में दुजाना कॉलेज के छात्र ने पदक जीत कर संस्थान का नाम रोशन किया है। शारीरिक शिक्षा विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉक्टर अजय जून ने बताया कि उनके संस्थान के छात्र वरुण ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए 63 किलो ग्राम भार वर्ग में सिल्वर मेडल हासिल किया। वरुण के कॉलेज पहुंचने पर प्राचार्य डॉक्टर राजेश कुमार, शारीरिक शिक्षा विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉक्टर अजय जून, नसीब सिंह, डॉक्टर रजनी, डॉक्टर सीमा कुंडू, डॉक्टर जितेन्द्र कुमार आदि ने उसे बधाई दी। अब अरुण 24 जुलाई को लखनऊ में होने वाले वर्ल्ड चैंपिनयनिश के ट्रायल में भाग लेगा।

उद्घाटन के लिए एक मंच पर आए राजेश, दिनेश और सरोज

वार्ड नंबर-11 के छोटूराम नगर में 3 करोड़ 95 लाख रुपये की लागत से बनेंगी गलियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

■ करोड़ों खर्च करके छोटूराम नगर में बनाई जाएंगी गलियां

सोमवार को शहर की राजनीति में एक सकारात्मक बदलाव नजर आया। सत्तापक्ष से जुड़े विधायक राजेश जून, भाजपा विस संयोजक दिनेश कौशिक व चेयरपर्सन सरोज राठी उद्घाटन के लिए एक मंच पर नजर आए। विधायक राजेश जून और चेयरपर्सन सरोज राठी ने छोटूराम नगर में 3 करोड़ 95 लाख रुपए की लागत से बनने वाली गलियों के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। विधायक राजेश जून ने कहा कि करीब 4 करोड़ रुपए खर्च करके छोटूराम नगर में गलियां बनाई जाएंगी। इससे लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी। वे बहादुरगढ़ के विकास के लिए जो भी एस्टीमेट लेकर चंडीगढ़ जाते हैं, सीएम नायब सैनी उसे तुरंत मंजूर कर देते हैं। भाजपा नेता दिनेश कौशिक ने कहा कि नायब राज में बहादुरगढ़ विधानसभा का तेज गति से विकास हो रहा है। गलियों के निर्माण से लोगों की परेशानी खत्म होगी। भाजपा सरकार लोगों को मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। चेयरपर्सन सरोज राठी ने बताया कि गलियों का निर्माण कार्य 6 महीने में पूरा हो जाएगा। गलियों के निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने की हिदायत दी गई है। इस मौके पर ईओ अरूण नांदल, एमई राजेश कौशिक, सचिव प्रवीण छिकारा, जेई नीरज, पार्षद अशोक शर्मा, भीम सिंह प्रणामी, रमेश राठी, दिनेश शेखावत, पालेराम शर्मा, प्रवीन कुमार, राजबाला, राजेश मकडौली, अनिल सिंघल, पवन रोहिल्ला, प्रवीन छिल्लर, अश्वनी शर्मा, अमित कौशिक व हरिमोहन धाकरे आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थी के काव्य संग्रह का विमोचन

बहादुरगढ़। गीतकार कृष्ण गोपाल विद्यार्थी के प्रथम काव्य संग्रह 'शादी से पहले शादी के बाद' का लोकार्पण लाफ्टर चैंपियन सरदार प्रताप सिंह फौजदार ने किया। कलमवीर विचार मंच द्वारा आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ सारस्वत मोहन मनीषी ने की और संचालन कवयित्री सुनीता सिंह ने किया। अर्चना झा की सरस्वती वंदना से शुरू हुए इस कार्यक्रम में विरेंद्र कौशिक, जगबीर कौशिक, वेद भारती, मोहित कौशिक, अर्चना ठाकुर, मनीष मधुकर, फखरुद्दीन अशरफ, डॉ सीमा वत्स, वीणा अग्रवाल, राजेश प्रभाकर, पुष्पलता आर्य, विकास यशकीर्ति, डॉ जोगेंद्र मोर, पवन गहलोत व जय सिंह जीत आदि ने अपने काव्य पाठ किया।

कारगिल के शहीदों को किया याद

झज्जर। डीएच लारेंस कालेज ऑफ एजूकेशन फॉर वूमेन में सोमवार को कारगिल दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित संस्थान निदेशक रमेश रोहिला ने भावी अध्यापिकाओं को भारतीय सेना के गौरवशाली इतिहास से अवगत कराया। उन्होंने देश रक्षा में सैनिकों की महत्वपूर्ण भूमिका की जानकारी देते हुए कारगिल युद्ध में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान प्राचार्या संतोष खासा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में छात्र अध्यापिकाओं ने हाथों में तिरंगा ले देशभक्ति के नारे भी लगाए।

इनेलो में शामिल होने पर किया स्वागत

बहादुरगढ़। शहर के छोटूराम नगर में आयोजित सभा में युवा इनेलो के प्रदेश प्रधान महासचिव जितेंद्र नफे सिंह राठी की मौजूदगी में अमरनाथ कुशवाहा के प्रयासों से अनेक लोग इनेलो में शामिल हुए। सभा की अध्यक्षता इनेलो के शहरी जिला प्रधान रामनिवास सैनी ने की। सभा के दौरान कमलेश सिंह, हरिहर चौरसिया, विनोद राय, अशोक सिंह, धर्मेंद्र, राम, अवधेश शाह, सतेंद्र कुमार, दिलशान, रामकुमार, राजेश कुमार, राकेश श्रीवास्तव, तपेश्वर चौधरी, मुन्ना कुमार, महेंद्र चौधरी, ब्रिज किशोर, संजय ठाकुर, अरविंद कुमार, राजेश ठाकुर व प्रमोद कुमार सहित अनेक लोग इनेलो में शामिल हुए। जितेंद्र नफे सिंह राठी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि इनेलो में सभी वर्गों का मान-सम्मान किया जाता है। वर्तमान भाजपा शासनकाल में गुंडागर्दी और अपराध चरम सीमा पर है। लोगों में भय का माहौल व्याप्त है।

संस्कारम स्कूल में सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

संस्कारम पब्लिक स्कूल खातीवास में सोमवार को अंतर-सदनीय सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगंता का आयोजन किया गया। तीन वर्गों में हुई इस प्रतियोगिता में तीसरी से पांचवीं, छठी से आठवीं व नौवी से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों से समसामयिक घटनाओं, भारतीय भूगोल और कुछ विविध विषयों पर आधारित प्रश्न पूछे गए जिनका प्रतिभागियों ने सरलता से उत्तर दिया। प्रतियोगिता परिणामों में तीसरी से पांचवीं कक्षा वर्ग में रेस्पेक्ट हाऊस के विद्यार्थियों ने अपने प्रभावशाली ज्ञान का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। ट्रस्ट हाऊस के विद्यार्थी द्वितीय तथा ओनेस्ट हाऊस के विद्यार्थी तृतीय रहे। छठी से आठवीं कक्षा वर्ग में रेस्पेक्ट हाऊस प्रथम, ट्रस्ट हाऊस द्वितीय व ओनेस्ट हाऊस तृतीय रहा। नौवीं से बारहवीं कक्षा वर्ग में करेज हाऊस ने पहला, रेस्पेक्ट हाऊस ने दूसरा व ओनेस्ट हाऊस के विद्यार्थियों ने तीसरा स्थान हासिल प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में संस्कारम ग्रुप ऑफ स्कूल्स के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने विजेताओं की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

झील में मछलियों के संरक्षण के लिए रैंचिंग कार्यक्रम

झज्जर। जिला मत्स्य विभाग द्वारा सोमवार को भिंडावास झील में मछलियों के संरक्षण के लिए रैंचिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत पांच लाख फिंगर लिंग साईज एलएमसी मछली बीज भिंडावास झील में छोड़ा गया। एसडीएम अंकित कुमार चोकसे ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मीठे पानी की मछली प्रजातियों के पुनरुद्धार और उनके संरक्षण को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि आज मछली पालन किसानों के बीच बेहद लोकप्रिय व्यवसाय बन गया है। कम लागत में ज्यादा मुनाफे के चलते किसान इस

कीर्तन में किया भगवान शिव की महिमा का गुणगान

झज्जर। कोसली रोड स्थित आनंद दास आश्रम में सावन माह के दूसरे सोमवार के उपलक्ष्य में कीर्तन का आयोजन किया। कीर्तन में जहां श्रद्धालुओं ने भजनों के माध्यम से भगवान शिव की महिमा का गुणगान किया वहीं महिलाओं ने हरियाणवीं संस्कृति को भी अपने भजनों में शामिल किया। आश्रम के महंत अजयदास महाराज ने श्रद्धालुओं को कामिका एकादशी की जानकारी देते हुए बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार श्रावण मास की कृष्ण पक्ष की एकादशी को कामिका एकादशी कहा जाता है। कामिका एकादशी का व्रत भगवान विष्णु को समर्पित होता है। धार्मिक मान्यता है कि जो व्यक्ति इस दिन व्रत करता है उसे जीवन में आने वाली परेशानियों व कठिनाइयों से छुटकारा मिलता है। इस मौके पर कांता देवी, रोशनी देवी, नान्हो देवी, धन्नो, पुष्पा रानी, ओमवती देवी, बिमला, शारदा, समुंद्र, महेश, कल्लू भगत सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

डायरिया से बचने के लिए किया सचेत

बहादुरगढ़। गांव खेड़ी जट्ट में बीआरसी मीनू वत्स ने स्टॉप डायरिया अभियान चलाया। स्कूली विद्यार्थियों को जलजनित बीमारियों के बारे में जानकारी दी। स्वच्छ जल के प्रयोग, जल संरक्षण, बीमारियों से बचाव और टोल फ्री नंबर 18001805678 की जानकारी दी। स्कूल भवन में पानी संबंधित समस्या का मौके पर ही विभाग के प्लंबर बुलाकर समाधान करवाया गया। सेल्फ हेल्प ग्रुप सदस्यों के साथ ही ग्राम जल एवं सीवरेज समिति सदस्यों के साथ मीटिंग करके शुद्ध पेयजल के सदुपयोग की जानकारी दी। नए सदस्य के तौर पर बबीता, पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट के जेई सोमबीर की जगह विशाल खत्री और पंचायती राज के जेई ओमप्रकाश की जगह दिलबाग को सदस्य बनाया गया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

वृक्ष धरती का श्रृंगारः महंत राजेंद्र दास महाराज

स्वामी नितानंद फाउंडेशन मिशन के तहत कई स्कूलों में लगाए पौधे, संरक्षण की जिम्मेदारी ली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

स्वामी नितानंद फाउंडेशन मिशन के तत्वावधान में सावन माह के द्वितीय सोमवार को बेरी उपमंडल के आदर्श गांव पलड़ा, दुजाना तथा दूबलधन स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भूमि ऑर्गेनिक टीम के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में तीनों स्थलों पर लगभग छह सौ पौधे रोपित किए गए।

कार्यक्रम में महंत राजेंद्र दास महाराज ने कहा कि वृक्ष धरती का श्रृंगार होते हैं, इनका संरक्षण हम सबका परम कर्त्तव्य है। उन्होंने मौजूदा जनसमूह से वृक्षारोपण को धार्मिक अनुष्ठान के रूप में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बीते 11 जून को मुख्यमंत्री नायब सैनी ने तपोभूमि जटेला धाम में वृक्षारोपण एवं नशा मुक्ति अभियान की शुरुआत की थी। युवाओं को नशा मुक्ति अभियान से जुड़ने का संदेश देते हुए महंत राजेंद्र दास ने कहा कि नशा आज युवाओं का शौक बनता जा रहा है। बड़े शहरों की तर्ज पर गांवों में भी युवाओं का रुझान नशे की ओर बढ़ रहा है, जो चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि नशाखोरी को रोकने के लिए शिक्षण संस्थान, सामाजिक संगठन और धार्मिक संस्थाएं निरंतर प्रयासरत हैं। युवाओं को इस जन आंदोलन में सहभागी बनकर समाज को स्वस्थ एवं सशक्त बनाने में योगदान देना चाहिए। प्राचार्य जयसिंह ने अपने संबोधन में कहा कि स्वामी नितानंद फाउंडेशन द्वारा चलाया गया वृक्षारोपण अभियान सराहनीय है। इस पावन मुहिम में सभी को बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिए। पलड़ा गांव निवासी अभिषेक यादव ने बताया कि भूमि ऑर्गेनिक टीम बीते वर्षों से जैविक खाद तैयार करने का प्रशिक्षण देने के साथ-साथ पारंपरिक खेती को पुनर्जीवित करने और जैवविविधता संरक्षण के लिए किसानों को प्रेरित कर रही है। टीम नियमित रूप से संगोष्ठियों के माध्यम से पर्यावरण को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने का कार्य कर रही है।

SHRI BALAJI INSTITUTE OF PARA MEDICAL SCIENCE
AUTHORIZED ADMISSION CENTRE OF MAA KAAMAL FOUNDATION
DR. S.K. SAINI Director
पिछले 25 वर्षों से लगातार जनसेवा में कार्यरत संस्थान।
फीस में 50% की विशेष छूट सभी के लिए सीमित समय के लिए
पहले आयें-पहले पायें। छात्रावास सुविधा। रविवार खुला है
DIPLOMA IN G.N.M. (MALE/FEMALE)
योग्यता :- 12th (किसी भी विषय में)
अवधि :- 3½ वर्ष | कुल सीटें :- 60
नियमित कक्षायें ऑनलाईन व ऑफ लाईन दोनों मोड में।
आजही अपने प्रमाण पत्रों के साथ आकर मिलें।
अतिशिघ्र आवश्यकता है:-
• G.N.M. -20
• MEDICAL LAB. TECH.-20
जो थ्योरी व प्रेक्टिकल दोनों करवा सके।
Dr. S.K. Saini (Director)
41/29, चाणक्य पुरी, शीला सिनेमा के पीछे, रोहतक-124001
9254233221